



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 172]
No. 172]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्षतूषर 1, 1983/अश्विन 9, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 1, 1983/ASVINA 9, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय		1	2	3	4
आयात व्यापार नियंत्रण					
सार्वजनिक सूचना सं० 42-आईटीसी (पी एन)/83		2	113	परिशिष्ट-9 कटिफा-9 पशुमूल आदि की चर्बी/वसा	यह कंठिका वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 26-आई० टी० सी० (पी० एन)/83 दिनांक 29 जुलाई, 83 में जोड़ी गयी थी, इसे हटा दिया जाएगा।
नई दिल्ली 1 अक्टूबर, 1983					
विषय —अप्रैल 1983-मार्च 1984 के लिए आयात-निर्यात नीति।					
मिस्त्रि सं० आई० पी० सी०/4/8/37/34/83-84—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 10-आई० टी० सी० (पी० एन०)/83 दिनांक 15 अप्रैल, 1983 के अधीन प्रकाशित तथा संशोधित अप्रैल 1983—मार्च 1984 के लिए आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिया जाता है।		3	208	परिशिष्ट 17, क्रम सं० ख 20.15 कायम 5	अभ्युक्ति (1) वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 30 आई० टी० सी० (पी० एन)/83 दिनांक 9 अगस्त, 83 के अन्तर्गत जोड़ी गयी थी, इसे हटा दिया जाएगा।
2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीति संशोधन उपयुक्त स्थानों पर किए गए समझे जाएंगे।					
क्रम 1983-84 की सं० आयात-निर्यात नीति पुस्तक (जिल्द-1) की पृष्ठ सं०	संदर्भ	संशोधन			

1	2	3	4
1. 119	परिशिष्ट 4, गैर- अनुमेय (निषेध) संयोजी सूची की प्रतिष्ठि सं० 7-क	वर्तमान विवरण को इस प्रकार पड़ा जाएगा :— ‘किमी भी पशु मूल की चर्बी, वसा और/या तेल, पिघलाए हुए या बिना पिघलाए हुए या अन्यथा रूप में हों’।	

3. तदनुसार, फैंटी एमिड/एमाइल्स के विनिर्माण के लिए पंजीकृत
नियंत्रकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत राज्य व्यापार निगम के माध्यम
से भी भेड़ की चर्बी का आयात अनुमति नहीं किया जाएगा। निर्यात के
लिए किसी भी उत्पाद के विनिर्माण करने के लिए भेड़ की चर्बी या
चर्बी/वसा और/या पिघलाए हुए, बिना पिघलाए हुए तेल या अन्यथा रूप
में किसी प्रकार के पशुमूल की चर्बी के लिए भी कोई अग्रिम/अग्रदाय
लाइसेंस या गिराई आवेदन जारी नहीं किए जाएंगे (सभी प्रयोजनों के लिए
गाय, भैंस और मुअर की चर्बी के किसी भी रूप में आयात को पहले से
ही निषेध कर दिया गया है)।

4. बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 38-आई० टी० सी० (पो० एन०)/83 दिनांक 6 नवम्बर, 1983 के अनुमरण में उद्धृत कंडिका 3 में उल्लिखित उत्पादों के विनिर्माण के लिए पहले से ही जारी किए गए रिटार्ड आदेश भी भारतीय राज्य व्यापार निगम में आपूर्ति देने के लिए वैध नहीं होंगे।

5. भारतीय राज्य व्यापार निगम, फैटी एसिड/एमाइन्स, ग्रीज या किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए किसी भी पशु मूल की चर्बी की आपूर्ति नहीं करेगा।

6. 24 अगस्त, 1983 को बाणिज्य मंत्रालय ने, भारत में घरेलू उपयोग के लिए आयातित किसी भी रूप में गाय, भैंस और सूअर की चर्बी की निकासी को प्रतिबंधित करते हुए आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं० 27/83 जारी किया था। भारत में आयातित किसी भी रूप में किसी भी पशुमूल की चर्बी, घसा और/या पिघलाए हुए, बिना पिघलाए हुए, तेल या जो अन्यथा रूप में हो उनके घरेलू उपयोग के लिए निकासी पर प्रतिबंध लगाने हुए एक और आयात व्यापार नियंत्रण आदेश (आदेश सं० 30/83 दिनांक 1 अक्टूबर, 1983) जारी किया गया है। आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं० 30/83 दिनांक 1 अक्टूबर, 1983 के फलस्वरूप उन आयात प्रेषणों के संबंध में जिनमें घरेलू उपयोग के लिए निकासी नहीं दी जा सकती है, संबंधित आयातक, आयातित माल के पुनः लदान/पुनः निर्यात के लिए सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों से गमपत्र स्थापित करें। सीमा शुल्क प्राधिकारी आयात पर खर्च की गई विदेशी मुद्रा की सीमा को पुनः अर्जित करने के लिए और इससे संबंधित उनके द्वारा लगाई जाने वाली शर्तों के अर्थात् पुनः लदान/पुनः निर्यात के लिए अनुमति देंगे।

प्रकाश चन्द्र जैन, मुख्य नियंत्रक
आयात एवं निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

PUBLIC NOTICE NO. 42-ITC (PN)/83

New Delhi, the 1st October, 1983

Subject : Imports; & Export Policy for April 1983—March 1984.

File No. IPC/4/8(37)/34/83-84.—Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1983—March 1984, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 10-ITC (PN)/83 dated the 15th April 1983, as amended.

2. The following amendments shall be deemed to have been made in the policy at appropriate places indicated below:—

Sl. No. of Import & Export Policy, 1983-84 (Vol. I)	Page No. Reference	Amendment
1	2	3
(1) 119	Appendix 4, List of non-	The existing description shall read as "Tallow, Fat and/

1	2	3	4
		permissible items (banned), Entry No.7-A.	or Oils rendered, unrendered or otherwise of any animal origin".
(2)	143	Appendix 9, Para 9—Tallow/Fat of animal origin etc.	This para inserted under the Ministry of Commerce Public Notice No. 26-ITC (PN)/83 dated 29th July 1983, shall be deleted.
(3)	208	Appendix 17, S.No. B.20.15 Col.5.	Remark (1) inserted under the Ministry of Commerce Public Notice No. 30-ITC(PN)/83 dated 9th August, 1983, shall be deleted.

3. Accordingly, import of mutton tallow, even through State Trading Corporation of India, shall not be allowed under the import policy for Registered Exporters for manufacture of fatty acids/amines. Also, no Advance/Imprest licences or Release Orders will be issued for import of mutton tallow or tallow/fat and/or oils rendered, unrendered or otherwise of any animal origin for the manufacture of any products for export (Import of beef, buffalo and pig tallow in any form has already been banned for all purposes).

4. Release Orders already issued for the manufacture of products referred to in para 3 above in pursuance of the Ministry of Commerce Public Notice No.38-ITC(PN)/83 dated the 6th September, 1983 will also cease to be valid for obtaining supplies from STC of India.

5. The State Trading Corporation of India will not supply any tallow of animal origin for manufacture of fatty acids/amines greases or for any other purpose.

6. On 24th August 1983, the Ministry of Commerce had issued Import Trade Control Order No. 27/83 prohibiting clearance for home consumption of beef, buffalo and pig tallow in any form imported into India. A further Import Trade Control Order has been issued (Order No.30/83 dated the 1st October 1983) to prohibit clearance for home consumption of tallow, fat and/or oils rendered, unrendered or otherwise of any animal origin, in any form, imported into India. In respect of import consignments which cannot be cleared for home consumption consequent upon the Import Trade Control Order No.30/83 dated the 1st October, 1983, the importers concerned may approach the customs authorities concerned for re-shipment/re-export of the imported material. The customs authority will allow re-shipment/re-export having regard to the extent to which foreign exchange spent on import will be earned back and subject to such other conditions relating thereto as the custom authority may impose.

P.C. JAIN,
Chief Controller of Imports & Exports